वी. यू. की रिसर्च काऊंसिल की बैठक सम्पन्न
शोध कार्य पशुपालकों की आर्थिक स्थिति सुधारेंगे डॉ. जुयाल

नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर की तीसरी रिसर्च काऊंसिल की बैठक का आयोजन दिनांक 28/12/2018 को माननीय कुलपति की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इसमें राष्ट्रीय पशु प्रोद्योगिकी संस्थान के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अमित गोयल सहित विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर्स तथा प्राध्यापक उपस्थित थे।

बैठक की शुरूवात में डॉ. वाय. पी. साहनी संचालक अनुसंधान ने विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। जो निम्नानुसार है–

1. पंचगव्य उत्पादः– वि.वि. में देशी गाय के गोबर एवं गौमूत्र का सदुपयोग कर पंचगव्य उत्पादों की निर्माण इकाई स्थापित की जिससे गोबर गमला, गौमूत्र आसवन, मच्छर कंडली, हवन टिकिया एवं घनवटी का उत्पादन हुआ।

2. हाइपोकोलेस्ट्रेमिक अंडाः– वैज्ञानिकों ने मुर्गी को कलौंजी, आंवला, विटामिन ई, सेलेनियम तथा अन्य तत्व मिलाकर दाना खिलाया तथा कम वसा युक्त अंडों का उत्पादन किया।

3. औषधि वाटिकाः– वि.वि. ने आयुर्वेट लिमिटेड नई दिल्ली के सहयोग से आमानाला प्रक्षेत्र में औषधि वाटिका को विकसित किया जिसमें 5 एकड़ भूमि में औषधियों की खेती शुरू हो गई है। इन औषधियों में प्रमुखतः अश्वगंधा, कालमेघ, पुर्ननवा, अमलतास, एलोवेरा, गिलोय एवं नीम शामिल है।

4. नील गायों की संख्या कम करनाः– प्रदेश में नील गायों की संख्या बहुत अधिक है जो फसलों को हानि पहुंचा रहे है। इनकी संख्या को नियंत्रित करने हेतु डॉ. काजल जाधव

द्वारा एक परियोजना का प्रस्तुतीकरण किया जिसे अनुमोदनार्थ राष्ट्रीय कृषि विकास योजना म.प्र. शासन को भेजा जा चुका है।

शोधकार्यों का लाभ पशुपालकों के द्वार तक पहुंचे :– माननीय कुलपति डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल ने सभी वैज्ञानिकों को निर्देश दिये कि वि. वि. स्तर पर इस तरह की शोध परियोजनाएं बनायें जिससे दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हो, प्रत्येक पशुउत्पाद का सदुपयोग हो जिससे पशुपालकों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो। माननीय कुलपति ने निर्देशित किया आप गॉव जाये एवं पशुपालकों की समस्या सुनें तथा उसी के अनुसार शोध परियोजनाएँ बनाये। गॉवों में पशुओं को किस बीमारी से अधिक नुकसान हो रहा है उसका आंकलन करके उसके निदान एवं नियंत्रण की खोज करें। क्षेत्रवार ऐसे मिनरल मिक्चर का निर्माण करें जिसकी आवश्यकता हो तथा दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हो।

बैठक में डॉ. एस. एन. एस परमार, डॉ. आर.पी.एस. बघेल, डॉ. एस.के. जोशी, डॉ. एस.एम. भदौरिया, डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव, डॉ. जे.के. भारद्वाज, डॉ. पी.सी. शुक्ला, डॉ. मधु स्वामी, डॉ. एस.के. नायक सहित समस्त विभागाध्यक्षों की उपस्थिति रही। संचालन डॉ. अमिता तिवारी ने किया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर